अंक 7, कुल पृष्ठ 8 घृणा पाप से करो पापी से नहीं—अज्ञात मूल्य मात्र 10 रुपए मास जुलाई 2014

NBT नवभारत टाइम्स

साईं पूजा हिंदू धर्म के खिलाफ : शंकराचार्य

कलियुग में सिर्फ कल्कि अवतार

24 जून 2014

''साईं का मंदिर बनाना कहीं से भी सही नहीं है। मंदिर के नाम पर सिर्फ कमाई की जा रही है।'' —शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती

शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती का कहना है कि शिरडी के साईं बाबा भगवान नहीं है। साईं पूजा करना हिंदू धर्म को बांटना है। शंकराचार्य का यह बयान टी वी और मीडिया रपटों में सोमवार को सामने आया है। उन्होंने एक चैनल पर कहा कि जो लोग साईं पूजा को बढ़ावा दे रहे हैं, वे हिंदू धर्म को कमजोर करना चाहते हैं। ऐसे लोग भारत को हिंदू प्रधान नहीं देखना चाहते हैं। साईं बाबा के नाम पर कमाई की जा रही है और हिंदू धर्म को बांटने के लिए विदेशी ताकतें भी हावी हैं।

उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म में अवतार और गुरु की पूजा होती है। हिंदू धर्म में जो 24 अवतार हुए, उनमें कलियुग में सिर्फ बुद्ध और कल्कि का अवतार हुआ। ऐसे में साईं की पूजा का कोई मतलब नहीं है। साईं न तो अवतार हैं और न ही गुरु रूप में हम आंक सकते हैं। गुरु आदर्शवादी होता है। लेकिन ये साईं में ऐसा क्या था? हम मांसाहारी को गुरु नहीं मान सकते। साईं का मंदिर बनाना कहीं से भी सही नहीं है। मंदिर के नाम पर सिर्फ कमाई की जा रही है। ब्रिटेन हिंदुओं को बांटना चाहता है।

उन्होंने कहा कि साईं को हिंदू मुस्लिम एकता का प्रतीक माना जाता है, लेकिन साईं की पूजा मुसलमान कहाँ करते हैं? यदि मुसलमान भी पूजा करते तब हिंदू-मुस्लिम एकता की बात समझ में आती। स्वामी स्वरूपानंद ने लोकसभा चुनाव के दौरान **हर हर मोदी, घर घर मोदी** के नारे पर भी आपत्ति जताई थी।

शंकराचार्य ने दी ये दलीलें

1. कहा जाता है कि पूजा अवतार या गुरु की की जाती है। सनातन धर्म में भगवान विष्णु के 24 अवतार माने जाते हैं। कलियुग में बुद्ध और कल्कि के अलावा किसी अवतार की चर्चा नहीं है। इसलिए साईं अवतार नहीं हो सकते।

2. रही बात गुरु मानने की तो गुरु आदर्शवादी होता है। लेकिन साईं में ऐसा क्या था? हम मांसाहारी को गुरु नहीं मान सकते

3. साईं को हिंदू मुस्लिम एकता का प्रतीक माना जाता है, लेकिन साईं की पूजा मुसलमान कहाँ करते हैं? यदि मुसलमान भी पूजा करते तब हिंदू-मुस्लिम एकता की बात समझ में आती।

*जगद्गुरु शंकराचार्य सरस्वती जी ने 17 अक्टूबर 1994 में श्री कल्कि बाल वाटिका द्वारा प्रकाशित ''**श्री कल्कि पुराण**'' में हर्ष सहमति लिखित पत्र प्रदान किया था-देखें पृ.5*

NBT नवभारत टाइम्स

अब शंकराचार्य बोले, राम का नाम, गंगा स्नान, हर हर महादेव न बोलें साईं भक्त

25 जून 2014

शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ने साईं भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बयान फिर दिया है। उन्होंने कहा कि साईं की भक्ति करने वाले लोगों को राम का नाम नहीं लेना चाहिए। सोमवार को शंकराचार्य ने कहा था कि साईं पूजा हिंदू धर्म के खिलाफ है। एक टी वी चैनल पर शंकराचार्य ने कहा कि साईं भक्तों को भगवान राम की पूजा, गंगा स्नान और हर-हर महादेव का जाप नहीं करना चाहिए।

एक टी.वी. चैनल में इस विषय पर बहस के दौरान जब मुस्लिम धर्मगुरु से पूछा गया कि मुसलमान साई बाबा को क्यों नही मानते इस पर उनका कहना था कि साईं बाबा चाहे मुसलमान थे वह मस्जिद में ही रहते थे लेकिन हमारे धर्म में अल्लाह के सिवाय किसी को भी सजदा नहीं कर सकते हैं। **मैंने चाहे आपके हिंदू ग्रंथ नहीं पढ़े हैं** लेकिन उनके अनुसार भी अल्लाह (परमात्मा) तो एक है। फिर आप किसी भी चमत्कारी की पूजा भगवान मानकर कैसे कर सकते हैं?

स्वामी माधवाश्रम जी

ऊँचा गाँव शामली में भगवान श्री कल्कि की मूर्ति स्थापना के समय जिसमें जगद् गुरु शंकराचार्य **स्वामी श्री माधवाश्रम जी महाराज (बद्रीकाश्रम) को भगवान श्री कल्कि के हृदय में प्राण प्रतिष्ठित करने आना था उन्होंने श्री बृंदाबन गुप्ता जी (9810333311) को स्पष्ट शब्दों में कह दिया कि वैष्णों मंदिर में साईं बाबा की मूर्ति नहीं लगेगी क्योंकि वह सनातन धर्मी नहीं हैं। लिहाजा कल्कि जी के बाईं तरफ लक्ष्मी जी की मूर्ति लगाई गई।**

महर्षि वेदव्यास जी द्वारा रचित पद्म पुराण में लिखा है—

यतो भक्तिं न च भवेत श्री कृष्ण परमात्मनि। सः गुरु परमो बैरी करोति जन्म निष्फलम्॥

जिस गुरु से परमात्मा श्री कृष्ण की भक्ति न हो वह गुरु परम बैरी है। जन्म को निष्फल कर देता है।

जो गुरु कल्कि भगवान, विष्णु की भक्ति को परे हटाकर धर्म, कर्म और ज्ञान का उपदेश देते हैं, वह सब असुर होते हैं। कलियुग में बहुत हो जाते हैं। उनसे बचना।

—रामकृष्ण परमहंस के आवेशावतार गुरुवर लक्ष्मीनारायण जी

जब अमानत* में मिले बेटे को कल्कि जी ने अपंग होने से बचाया

बालपन से सुनते आ रहे हैं,''भगवान जो करते हैं अच्छे के लिये करते हैं।'' सुनने में या पढ़ने में अच्छा लगता है, पर जब कुछ अपने साथ घटित हो तो इसे मानना आसान नहीं होता। 11 अक्टूबर 2013 की रात को मेले में मेरे तीन साल के बेटे के पाँव में चोट लगी। 12 अक्टूबर सुबह एक्स-रे के पश्चात् ज्ञात हुआ कि उसके पाँव में फ्रैक्चर है। मेरे पैरों तले ज़मीन खिसक गई, तीन साल के बच्चे के पाँव में फ्रैक्चर है, वह भी फोम के जम्पिंग बैग में कूदने से जिस जम्पिंग बैग को बनाया ही कूदने के लिये गया है। मेरा परिवार और मैं सदमे में। हर किसी की आँखों में मेरे लिये एक ही प्रश्न-तुम्हारे कल्कि कहाँ हैं। उनकी नज़रें मुझे कचोट रही थीं। मुझे अपने प्रभु पर न तो कल संशय था और न उस पल किंतु पिता के हृदय को मैं शांत नहीं कर पा रहा था। मैं बुझे-बुझे मन से हवन करने बैठा। हवन के दौरान मानो ऐसा लगा कोई मुझे कह रहा है- मैंने तुझे बेटा दिया, यहाँ तक की उसे नाम तक मैंने दिया, आज भी मैं जो करूंगा उसके भले के लिये करूंगा। तू अपना काम कर, मुझे अपना करने दे। हवन के पश्चात् मुझे अपनी अनुभव वाली कॉपी देखने की छटपटाहट होने लगी। जब मैंने अनुभव वाली कॉपी चैक की, तो पाया कि मेरे बेटे के भाग्य में 15-16 साल की आयु में दुर्घटना होना था। जिसके चलते उसके दोनों पाँव में फर्क आ सकता था। यही फैक्चर यदि उसे 15-16 साल की आयु में होता, तो उसे कष्ट ज्यादा था क्योंकि पाँव के फैक्चर वाली जगह को हिलाना-डुलाना मना है। मेरे बेटे को फैक्चर टिबिया में हुआ था। हमारे घुटने और पंजे को दो हड्डी जोड़ो रखती हैं-टिबिया और फिबुला। टिबिया में घुटने के पास या पंजे के पास फैक्चर होता है, तो ऑपरेशन करके रौड लगवानी पड़ती है। बच्चे के कूदने पर साधारण रूप से पंजे के पास फैक्चर होता है। पर कल्कि प्रभु के अहैतु कृपा से फैक्चर घुटने और पंजे के बीच में हुआ जिससे केवल प्लास्टर से हड्डी जुड़

बेटे का फ्रैक्चर**

—श्री वरूण चौधरी (9831089302)(कोलकाता)

गई। हमारे प्रभु के सहस्त्रनामों में से एक नाम ऊँ कल्कि वैद्यानां वैद्याय नम: (संसार के वैद्यों के स्वामी हैं)। 12 अक्टूबर 2013 को मैंने दो डॉक्टर को दिखाया, दोनों की सलाह तीन महीने के प्लास्टर की थी और 6 महीने तक सेफ़्टी गार्ड लगाने की। 14 अक्टूबर को तीसरे डॉक्टर से बात की तो उसका उपचार भी दो महीने प्लास्टर और 2 महीने सेफ़्टी गार्ड का था। मुझे समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करें, क्योंकि मेरे विचार से इतना समय तो नहीं लग सकता था। 14 अक्टूबर को मुझे अनुभव आया कि तुम्हारे संबंधियों में ऑरथोपेडिक डॉक्टर है, पर तुम हिचकिचाहट में नहीं जाते हो।

अगले दिन मेरी बुआ, जिनके वह रिश्ते में ससुर लगते हैं, का फोन आया और बुआ मुझे उनके पास ले गईं। वह ऑरथोपेडिक में पूरे शहर के अनुभवी डॉक्टरों में से एक हैं। एक्स-रे देखकर उन्होंने सब समझाया और कहा-लिखकर देता हूँ एक महीना या ज्यादा से ज्यादा डेढ़ महीने में प्लास्टर खोल दूंगा। दो महीने में बेटे को फुटबॉल खिला लेना। 16 अक्टूबर 2013 को उन्होंने प्लास्टर किया और 28 नवम्बर को खोल दिया। यहाँ तक की प्लास्टर खोलने का दिन मेरे प्रभु श्री कल्कि ने निर्धारित किया।

इस डेढ़ महीने में मेरे कल्कि ने मेरे पुत्र के हर पल की खबर रखी और अनुभव द्वारा हमें आगाह किया। यह डेढ़ महीने, जो मेरे लिये कठिन समय था, उन्होंने हर पल अपने साथ का अहसास दिलाया। अन्त में दोस्तों, अपने भक्तवत्सल श्री कल्कि के लिये मेरे मन में यह चार लाईन बार-बार आती है:-

बड़े भोले है भलो के वास्ते, पर खिलाड़ी हैं खलों के वास्ते।
यू समझलो तीतरों में बाज हैं, अपने भक्त की कल्कि रखते लाज हैं॥

** बार-बार सत्संग में मामाजी द्वारा बताए गए मल्टीनैशनल कंपनी द्वारा मिली सहूलियतें/ मिलट्री द्वारा मिले मैडल्स*

*** विस्तृत जानकारी के लिए पढ़ें* कलियुग की सत्यनारायण व्रत कथा, अध्याय-1 संभल महात्तम (9136377829)

जब अमरिका ने जाना और माना — अंतरिक्ष की भाषा संस्कृत है—अमरीका

प्यारे बच्चों जहाँ आज हमारे देश का युवा अंग्रेजी भाषा के पीछे पागल है वहीं अमरिका की संस्था नासा (यू.एस.ए.) ने अंतरिक्ष में कोई भी संदेश भेजने के लिए संस्कृत भाषा को सबसे उपयोगी माना है।

नासा (यू.एस.ए.) के वैज्ञानिकों के अनुसार स्पेस में मैसेज भेजने के लिए उन्होंने दुनिया की कई भाषाओं का प्रयोग किया लेकिन अंतरिक्ष में जाते ही सभी संदेश उल्टे हो जाते थे। लेकिन जब यह प्रयोग उन्होंने संस्कृत भाषा के साथ किया तो यह समस्या नहीं आई क्योंकि संस्कृत भाषा में वाक्य उल्टे हो जाने पर भी अपने अर्थ नहीं बदलते अपितु यह देवताओं में बोली जाने वाली भाषा। यह रोचक जानकारी हाल ही में दिल्ली सरकार के प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट ने दी। दिल्ली सरकार की संस्कृत अकादमी ने दिल्ली के करोल बाग, मयूर विहार और गौतम नगर में लोगों को संस्कृत सिखाने के उद्देश्य से तीन शिक्षालयों के उद्घाटन के अवसर पर यह समारोह आयोजित किया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए स्वामी प्रणवानन्द महाराज ने कहा कि संस्कृत में सभी प्रकार के उपयोगी विषय हैं जरूरत सिर्फ उनके प्रसार की है। समारोह में अनेक डॉक्टर, इंजीनियर, व्यापारी एवं अधिकारी उपस्थित थे। हम वैदिक मंत्रों का हवन का उच्चारण संस्कृत में करते हैं। इसके सहस्त्रगुणा फल का वैज्ञानिक कारण अंतरिक्ष ब्रह्माण्ड सिर्फ संस्कृत भाषा समझता है।

—संकलन कर्ता : सुश्री मेघना गोयल (9136377829)

कल्कि जी के खौफ, अदब, प्रेम, परवाह बिना झटका आज नहीं तो कल

(पुनर्भगतान (repayment) बैंक का भुगतान नहीं किया तो कुर्की आज नहीं तो कल)

—सुश्री सुलोचना (9312533445)

23 तारीख को रात (मैं असरोही जयंती में पहली बार गई थी) को मुझे दिखा कि मैं कमोट (लैट्रीन से भरे) में सर के बल गिर गई हूँ और एक बहुत ही गहरी और अंधेरी (टनल जो लैट्रीन से भरी है) जिसमें बहुत तेजी से बहती जा रही हूँ। मैं सोच रही हूँ कि अब तो बेटा गई काम से। फिर अचानक मैं बाहर आ जाती हूँ, जहाँ उजाला है और मैं वहाँ लेटी हूँ उसकी बाऊंडरी पर मनोज भाई (श्री मनोज पांडे जिनकी पत्नी ने 2 वर्ष पूर्व यहीं असरोही में साक्षात मृत्यु के दर्शन किए थे जो आपने नियमित लेखों में पढ़े होंगे) और सुश्री मुक्ता गोयल (पत्नि श्री पद्म गोयल-संगीताचार्य) बैठे हैं। वह दोनों मुझे कहते हैं कि 'बोलो बोलो कल्कि भगवान महाराज की जय' बोलो और खुद उठो अर्थात् वह रास्ता दे रहे हैं उन्हें मुझे उठाने (मदद करने में) कोई दिलचस्पी नहीं है। मैं हिम्मत करके **बोलो बोलो श्री कल्कि भगवान महाराज की जय** यह कहते हुए चार पांच बार अपने सिर को उठाने की कोशिश करती हूँ कि मेरी आँख खुल जाती है और मैं घबराकर उठ जाती हूँ।

अर्थ : आपको यह तो समझना पड़ेगा कि लड़की के जन्म से मृत्यु तक उसका जीवन तप ही तप होता है। आप परिवार के लिए चिंतित रहते हुए अपनी शक्ति से ज्यादा सुबह से शाम तक काम करती हैं। फिर भी मन अशांत रहता है। माला एवं कल्कि साहित्य का पाठ नहीं कर पा रही हैं, जो कि गुरु जी ने जगह जगह बताया है। यही कारण है कि आपको स्वप्नानुभव नहीं होते और अगर होते हैं तो आप उन्हें गंभीरता से नहीं ले पाती हैं। यह स्वप्नानुभव एक संपदा ग्रंथ में पृष्ठ 5 पर मानू मैं न मानू में स्पष्ट समझाया गया है। महरौली के लटूरिया बाबा ने श्री गुरुजी से परमार्थ की गधैया के बारे में बताया था। अत: चिंता छोड़ो और कायदे के काम करो तो सुख से रहोगी। एक न एक दिन सबको सबके हाल पर छोड़ना तो पड़ेगा ही।

उपचार : बन पड़े तो ब्रह्म मुहूर्त में उठकर कल्कि जी की 5 मालाएं गुनगुनाते हुए अथवा जीभ हिलाते हुए करें। इसका प्रभाव यह होगा कि रात तक भगवान का नाम आपके मुंह से किसी न किसी तरह से निकलता रहेगा।

2. स्वप्नानुभव एक संपदा पुस्तक में से प्रतिदिन कम से कम 15-20 मिनट में छ: या सात अनुभव, अर्थ, उपचार, प्रार्थना अवश्य पढ़ें। एक पेपर लगाकर अगले दिन उससे आगे पढ़ें।

3. प्रतिदिन हवन अवश्य करें। ऐसा न कर पाने पर एक समय का भोजन न करें या उतने रुपए की पैनल्टी निकालें जिससे आपको दुख लगे। उस पैनल्टी के आधे रुपए गाय को हरा चारा या सब्जी जितनी जल्दी बन पड़े खिला दें और बाकी का आधा रुपया श्री कल्कि साहित्य के लिए बाल वाटिका प्रभारी के पास भेज दें।

प्रार्थना : हे कल्कि भगवान मैंने जो यह शुभ कर्म (पूजा-माला-हवन-पाठ) किए है इसके प्रभाव से मुझे घोर नरक से बचाएं। मुझ में से दया, भावुकता हटाइए। मुझे सलाह किसी से दिलवाएं या दें जिस प्रकार भगवान राम ने सीता जी को माता अनूसूइया से दिलवाई थी। मुझे इस लोक व परलोक के घोर नरक से बचाएं।

श्री रमेश मिश्रा अपने छोटे भाई श्री सर्वेश मिश्रा (पुजारी श्री कल्कि मंदिर,असरोही) के साथ

23 मार्च के स्वप्नानुभव का अर्थ जानने के बाद मैंने जप, पूजा, हवन प्रार्थना बताए तरीके से की इस पर मुझे 16 अप्रैल को पुन: अनुभव हुआ— 16 तारीख को मुझे दिखा कि मैं अपने पति व कुछ अन्य लोगों के साथ असरोही दोबारा गई हूँ। वहाँ पहुँचकर मेरे पति मुझे बहुत ज्यादा अंतर (दूरी) पर दो पैढ़ी दिखाते हैं और कहते हैं कि इन पर पैर रखकर अंदर चली जाओ। पर मैं तो वहाँ तक पहुँचने में ही बहुत थक चुकी थी और अपने पति से कहती हूँ कि मैं तो इन पैढ़ियों पर पैर रखकर कमरे में नहीं जा सकती। मैं गिर जाऊंगी। मैं यह बात कहती हूँ तो मेरे पति मेरे ही पास में से एक छोटा सा दरवाजा खोल देते हैं और कहते हैं यहाँ से चली जाओ। वह दरवाजा बिलकुल मेरे पास में है और मैं एक पैर देहली के अंदर रखते ही श्री रमेश मिश्रा जी (असरोही वालों) के कमरे में पहुँच जाती हूँ। फिर सभी को बताती हूँ कि जब मैं पहले यहाँ आती थी तो यहाँ पर मामाजी सोते बैठते थे और अब देखो यहाँ श्री कल्कि भगवान मंदिर बन गया है सारा विवरण बताती हूँ।

अर्थ : स्वप्नानुभव एक संपदा मानूं मैं न मानू के अनुसार अब आप असरोही पति (नारायण) के साथ पहुंची हैं। भगवान श्री कल्कि आपको अंदर घुसने के लिए दो कदम (पैढ़ी) चलने के लिए कहते हैं। पर आप असमर्थता जाहिर कर रही हैं क्योंकि टरकाना (सिर्फ सलाह देना) आपकी आदत बन चुकी है। आपको इसे बदलना पड़ेगा। जिस प्रकार घर के लिए अपने को कुर्बान करती हो उसी प्रकार भगवान के लिए भी काम करना पड़ेगा। मदद के हिसाब से भगवान ने आपके लिए जो दरवाजा खोला है यह विश्वास रखना कि वह तुम्हारे को ही नहीं तुम्हारे सारे परिवार को भी सुख वैभवता देंगे बशर्ते आप अनुशासन से चलें। परिवार में आप सबको अपना काम करने दें। ज्यादा भावुक/ दयावान मत बनें। दूसरे शब्दों में साथी हाथ बढ़ाना एक अकेला थक जाएगा मिल कर बोझ उठाना। इससे आप स्वस्थ रहेंगी। घर परिवार में खुशहाली रहेगी। अत: लोक परलोक दोनों बन जाएंगे। आपकी मंजिल असरोही से शुरू हुई और असरोही पर खत्म हुई है। यहाँ यह मंदिर खुशियों का भंडार दर्शाता है लेकिन साथ ही यह भी दर्शा रहा है कि आप पूजा में नहीं लगी है सिर्फ विवरण बता रही हैं। अत: पूजा, पाठ, हवन तुरंत खुद शुरू करें।

उपचार : पहले वाले अनुभव के ही होंगे।

जगद्गुरु शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती जी ने 17 अक्टूबर 1994 में श्री कल्कि बाल वाटिका द्वारा प्रकाशित " श्री कल्कि पुराण " में अपना हर्ष सहमति लिखित पत्र प्रदान किया

॥ श्री हरिः ॥

अनन्त श्री विभूषित श्री जगद्गुरु शंकराचार्य ज्योतिष्पीठाधीश्वर

श्री स्वामी स्वरूपानन्द सरस्वतीजी महाराज

ज्योतिर्मठ (बदरिकाश्रम) हिमालय

[illegible] दिनांक: 17.10.1994

अनन्त श्री विभूषित ज्योतिष्पीठाधीश्वर एवम् द्वारकाशारदापीठाधीश्वर

जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री स्वरूपानन्द सरस्वतीजी महाराज का पावन संदेश

श्री कल्कि बाल वाटिका वर्तमान अपसंस्कारवादी वातावरण में अस्तित्वादी परम्परा के निर्माण के लिये कृतसंकल्प है आधुनिक जीवन मूल्यों के साथ आध्यात्मिक मनोभूमता के सामंजस्य से ही मनुष्य चारों पुरुषार्थों की प्राप्ति कर सकता है। आज देश में हमारी प्राचीन मान्यतायें एवम् हमारे संस्कार अपना महत्व खोते जा रहे हैं, क्योंकि उनके संरक्षण एवम् प्रवर्तन की कोई संगठित योजना नहीं बन पा रही है यदि हमें अपने देश को पुनः जगद्गुरु के पद प्रतिस्थापित करना है तो संस्कारों के निर्माण के लिये अथक प्रयास करना होगा।

यह प्रसन्नता की बात है कि छोटे-छोटे बच्चों में संस्कारों के निर्माण की प्रक्रिया में श्री कल्कि बाल वाटिका महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है आधुनिक वातावरण से ओतप्रोत विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने वाले सुकुमार बच्चों के मस्तिष्क में यदि अच्छे संस्कारों के महत्व को पदस्थापित किया जायेगा तो आजीवन वे सुसंस्कृत पथ पर चलेंगे। क्योंकि हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि "संस्कारों जायते भवेत"।

इसी संस्था के द्वारा श्री कल्कि पुराण का हिन्दी एवम् अंग्रेजी अनुवाद ऐसे ही सुकुमार बच्चों द्वारा कराया गया है इससे शास्त्रों के प्रति उनकी श्रद्धा एवम् अभिरुचित में वृद्धि होगी तथा वह ऐसे ही संस्कारवान कार्यों में रत रहने के लिये उत्साहित बने रहेंगे इन बच्चों द्वारा किया गया अनुवाद कार्य अत्यंत प्रशंसनीय है, यह संस्था संस्कार निर्माण के पथ पर अनुदित बढ़ती रहे तथा बच्चे सम्पूर्ण भारतीयता के वातावरण में अपने व्यक्तित्व का निर्माण कर राष्ट्र सेवा में तत्पर हो जाय। यही पूज्य श्री चरणों की मंगल कामना है।

पूज्य श्री चरणों की आज्ञा से।

ब्रह्मचारी सुबुद्धानन्द
निजी सचिव
श्री जगद्गुरु शंकराचार्य जी महाराज
ज्योतिष्पीठ-द्वारकाशारदापीठ

अध्यात्म विद्या निकेतन परम हंसी गंगा क्षेत्र श्री धनम् पोस्ट-श्रीनगर जिला-नरसिंह पुर (म.प्र.)	स्थान व पोस्ट-जोशीमठ ज्योतिष्पीठ [illegible] जिला-चमोली गढ़वाली (उ.प्र.)	श्री शंकराचार्य मठ बदरीनाथ धाम हिमालय	विश्व कल्याण आश्रम [illegible] [illegible] जिला-[illegible] (बिहार)

जगद्गुरु शंकराचार्य श्री माधवाश्रम जी महाराज ने 31अगस्त 1994 में श्री कल्कि बाल वाटिका द्वारा प्रकाशित " श्री कल्कि पुराण " में अपना हर्ष सहमति लिखित पत्र प्रदान किया

...र्म की जय हो! ॥श्री हरिः॥ प्राणियों में सद्भावना हो!

...धर्म का नाश हो! विश्व का कल्याण हो!

...की हत्या बन्द हो! हर हर महादेव!!! गौ माता की जय हो!

परम पूज्य अनन्त श्री विभूषित ज्योतिष्पीठाधीश्वर

जगद्गुरु शंकराचार्य

स्वामी श्री माधवाश्रम जी महाराज

(बदरिकाश्रम, उत्तरप्रदेश)

...महामंत्री:
...अखिल भारतवर्षीय धर्मसंघ
...कार्यालय-7, शंकराचार्य मार्ग सिविल लाईन, दिल्ली-54

...अध्यक्ष:
...अखिल भारतीय रामराज्य परिषद

...अध्यक्ष:
...धर्मसंघ महाविद्यालय
...[illegible] बाजार, दिल्ली
...फोन न॰ 2524981

...अध्यक्ष:
...[illegible]डी स्वामी धर्मसंघ महाविद्यालय
...[illegible] बोपाल कलाँ, लुधियाना (पंजाब)
...फोन न॰ 31103

...अध्यक्ष:
...धर्मसंघ महाविद्यालय
...[illegible]घाट सोलन (हि.प्र.)

...धर्मसंघ महाविद्यालय
...[illegible] आश्रम भीमघोड़ा, हरिद्वार
...फोन न॰ 426652

क्रमांक दिनांक 31.8.1994

अनन्त श्री विभूषित जगद्गुरु ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य श्री माधवाश्रम जी की शुभाशी: ।

कल्कि मण्डल द्वारा सनातन धर्म से अनुप्राणित भारतीय संस्कृति संस्कृत प्रचार हेतु संचालित कार्यक्रम बाल बालिकाओं की शारीरिक मानसिक तथा बौद्धिक विकास के लिये सहायक हो यह हमारी दिल्ली पार्वतीपरमेश्वर से प्रार्थना है।

सर्वप्रथम आचार के विषय में मनवादि धर्मशास्त्र का वचन है कि—

अभिवादन शीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः ।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशोबलम् ॥

भगवान श्री हरि जगत्कल्याणार्थ युग युग में अवतार ग्रहण करते हैं। श्री हरि की बाल लीलाएं जहाँ बाल बालिकाओं को आनन्द देने वाली हैं, तो वहाँ प्रेरक भी हैं। भगवान् विद्याध्ययन के लिये गुरुकुल जाते हैं यह हम सभी बालकों के लिये आदर्श भी है। गुरु से शास्त्रों द्वारा शिक्षा दीक्षाग्रहण कर भविष्य उज्वल बना सकेंगे। श्री कल्कि भगवान के अवतार का प्राकट्य यद्यपि भावी है अर्थात् (होने वाला) है तथापि सर्वज्ञ त्रिकालदर्शी महर्षि बादरायण के लिये भूत भविष्यत वर्तमान घटनाएं करामलकवत प्रत्यक्ष होने से उन्होंने जो भविष्यत् वृति से कल्कि पुराण का प्रणयन लोक कल्याण के लिये किया यह सत्य है। आप लोगों का सत्यप्रयास सफल हो यह हमारी मंगलकामना है।

श्री [illegible] की आज्ञा से [illegible]

श्री कल्कि भगवान-कलियुग में पारसमणि

—श्री वरूण चौधरी, कोलकाता (9831089302)

विष्णु जी के अवतार श्रीराम और श्रीकृष्ण की पूजा करते समय हमारे मन में कोई शंका नहीं आती है पर वेद-पुराणों और ग्रंथों के अनुसार उनके अंतिम अवतार की पूजा करने से पहले हमारे मन में अनेक प्रश्न उठ खड़े होते हैं-जैसे कल्कि तो कलियुग के अंतिम चरण में आएंगे, जो अभी प्रगट नहीं हुए उनकी पूजा क्यों करें? आदि।

परंतु समय-समय पर श्रेष्ठ भाग्यशाली भक्तों को विशेष अवसर मिला है कि वह अपनी आराधना के द्वारा प्रभु के प्राकट्य के कारण बने। उदाहरणार्थ * बाल्मीकि ने भगवान श्रीराम के अवतरण के पहले अपनी भक्ति से गूढ़ ज्ञान प्राप्त किया और बाल्मीकि रामायण की रचना की * अम्बरीश ने श्रीकृष्ण के प्राकट्य से बहुत पहले ही उनके प्राकट्य के लिए आराधना की। श्रीमद्भागवत में इस बात का उल्लेख मिलता है कि भगवान विष्णु का सुदर्शन चक्र उनकी रक्षा किया करता था। नारायण के रामावतार और कृष्णवतार के समय पृथ्वी पर रहते हुए उनकी पूजा अर्चना नहीं हुई, उनकी प्रिय भक्तों और ऋषियों को ही ज्ञात था कि वे अवतार हैं, पर कल्कि अवतार की लीला निराली है। अभी वो प्रगट नहीं हुए हैं पर चारों तरफ उनकी मूर्ति की स्थापना निरंतर हो रही हैं (देखें भगवान श्री कल्कि के दर्शनीय मंदिर)।

जिस तरह विष्णु जी ने प्रहलाद के लिए समय न सोच कर खंभे को चीर कर नृसिंह अवतार लिया था उसी तरह से वे कल्कि अवतार में भी प्रगट होंगे। बस हमें प्रहलाद की तरह अपनी भक्ति से उन्हें प्रगट होने को विवश करना है। जो भक्त उन पर विश्वास करके अपनी आराधना में कल्कि नाम का गंगाजल मिला रहे हैं उनके असंभव काम संभव हो रहे हैं।

47 बालक-बालिकाओं द्वारा जयपुर से आए मूर्तिकार द्वारा श्री कल्कि मूर्ति की पेंटिंग का सेमिनार संपन्न

पेन्टिंग शिविर ने की नई कार्यशालाओं की शुरूआत— प्यारे बच्चों, मामाजी को कल्कि जी से, कलियुग व अंतर्जगत से प्यार भरी डाटें कर्म करो नहीं तो वापिस आ जाओ मिल रही हैं। वही डाटें तीन दिनों के सेमिनार के लिए मामाजी ने विष्णु गोयल (16 वर्ष) सुपुत्र मेघना गोयल, रमणी अग्रवाल (जर्मन टीचर जी.डी. गोयंका स्कूल) सुश्री मेघना गोयल को कुनैन की गोली में चीनी चढ़ाकर दी। क्योकि यह वर्कशॉप (activity) की समाप्ति (the end) नहीं है अपितु शुरुआत है। इसमें काम करने वाले और आने वालों का निर्णय सिर्फ कल्कि जी और कलियुग पर निर्भर है।

* * *

रमणी अग्रवाल (जर्मन अध्यापिका, जी.डी. गोयनका स्कूल), विष्णु गोयल ने 47 बच्चों की तीन दिन की वर्कशॉप 13 जून से 15 जून 2014 तक किरोड़ीमल कॉलेज के समीप हनुमान मंदिर में आयोजित की।

* * *

जयपुर से आए मूर्तिकार पेंटर कमलेश कुमार बच्चों को मूर्ति का मुंह बनाना सिखाते हुए

इसमें 47 बालक-बालिकाओं ने श्री कमलेश कुमार, जयपुर से आए मूर्तिकार-पेंटर के द्वारा बच्चों को भगवान श्री कल्कि का चेहरा (भौंहे, आँखे, होंठ) बनाना व उसमें रंग भरना सिखाया। वर्कशॉप में प्रत्येक बच्चे को आखिरी दिन 20-20 भौंहे-आँखे-होंठ बनवाए गए।

* * *

इसके बनाने में लगभग बच्चों को दो घंटे का समय लगा। सब बच्चों की कॉपियाँ पैनल मैम्बरों ने चैक कर उसके हिसाब से बच्चों को पुरस्कार वितरित किये जिसमें प्रथम पुरस्कार 2100 रुपये का कुमारी चहक गुप्ता को मिला, द्वितीय दो पुरस्कार 1100 रुपये के कुमारी रिद्धी भारद्वाज, कुमारी वंशिका मित्तल को मिले और तृतीय तीन पुरस्कार 500 रुपये के कुमार उज्जवल पांडे, कुमारी मनस्वी गुप्ता और कुमारी .....को मिले। इसके अलावा अन्य सभी बच्चों को कॉनसोलेशन पुरस्कार 100 रुपये के मिले। यह सभी पुरस्कार 20 जुलाई को इन सभी बच्चों को दिये जाएंगे जो कि उन बच्चों के माता पिता बताई गई राशि का खरीदकर हमें देंगे।

* * *

जिन बच्चों ने पुरस्कार जीते हैं वह अपनी-अपनी बाल वाटिकाओं में अपने वाले बच्चों को कल्कि जी के चेहरे को बनाना व उसमें रंग भरना तथा वार्निश लगाना सिखाएंगे। अन्तोगत्वा अब हमारे भगवान श्री कल्कि की मूर्तियाँ जहाँ-जहाँ लग रही हैं और लगेंगी वहां अब यह नन्हें-नन्हें बच्चे भगवान के चेहरे का श्रृंगार करेंगे और प्रभु श्री कल्कि इनको वैभवता (निहाल) करेंगे ताकि अब कोई यह न कहने वाला

—सुश्री रमणी अग्रवाल (जर्मन टीचर जी.डी. गोयंका स्कूल)

मिलेगा कि भगवान की मूर्ति का पेंट हट गया है।

* * *

रमणी अग्रवाल (जर्मन टीचर, जी. डी. गोयनका) ने बच्चों को 15 तारीख को ही अगला प्रोजेक्ट दिया कि बच्चों को सुश्री इन्दु गुप्ता द्वारा मोबाईल टोन माईक पर सुनवाई ''जैसी करनी वैसी भरनी, जो बोया सो पाना है'' और मेघा दीदी ने सब बच्चों को एक-एक नई कैसेट मूल्य 36 रुपये वाली दी कि वह इसमें से भजन सुनकर जो रिंग टोन अच्छी लगती है वह अपने मोबाईल फोन में भरकर लाएं। पैनल मैम्बरों ने इन सभी भजनों में से 30 भजन छाँटे हैं। यदि उन 30 भजन में से बच्चों से रिंग टोन छाँटी होगी तो 200 रूपये का और यदि अन्य तीस में से कोई रिंग टोन छाँटी होगी तो 100 रुपये का पुरस्कार दिया जायेगा।

बच्चे अपने मोबाईल में जो भजन पसंद है उसकी रिंग टोन भर कर लाएंगे तो उन्हें भी 100 रुपये का पुरस्कार मिलेगा।

* * *

मामाजी ने कल्कि बाल वाटिकाओं के संचालक/ संचालिकाओं से आग्रह किया कि वह बच्चों के लिए नई-नई एक्टिविटी लाएं। जैसा कि कुमार विष्णु गोयल (7503215553) जयपुर से इस मूर्तिकार को लाए, सुश्री इंदू बंसल (9891085091) ने मोबाइल पर कल्कि भजनों की रिंगटोन सुनवाई, सुश्री शलभ गोयल (9910066506) ने क्राफ्ट वर्क दिखाया।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों के नाम

1.वाणी अग्रवाल 2. खुशी राठौर 3. कृश राठौर 4. चहक मित्तल 5. सुहानी मित्तल 6. तुषार राठौर 7. अंश कुमार 8. मिष्ठी गर्ग 9. अंश राठौर 10. अक्षिका 11. रिद्धी 12.आद्या 13.आराध्या 14.अंबिका शर्मा 15.जाहनवी 16. तारिणी 17. हरेन 18. शिरोमणि 19. सुरेन 20. दीपक 21. यश 22. पर्व 23. युक्ता 24. यामिनी 25. राघव 26. अष्मिता 27. सुरभि 28. आयूषी 29. 30. अशोक 31. वंश 32. सुरेश 33. धानवी 34. ध्रुव 35. काशवी 36. नमन 37. दिवांशी 38. तितिक्षा 39. लव 40. आदित्य 41. मनस्वी 42. आर्यमन

खेल खेल में संस्कार रोपण कार्यशाला

स्थान : श्री गौरी शंकर मंदिर, चांदनी चौक, दिल्ली-6
दिनांक : 20 जुलाई, 2014, रविवार
श्री कल्कि सहस्त्रनाम हवन : प्रात: 10 बजे
महामंत्र मुकाबला : प्रात: 11:30 बजे
भंडारा : दोपहर 1:30 बजे
संस्कार रोपण कार्यशाला : दोपहर 2 बजे
आरती : शाम 5 बजे
आठ बार की नमस्कार, लघु नाटिका, क्राफ्ट वर्क, रिंगटोन पुरस्कार, एवं पेंटिंग प्रशिक्षण के पुरस्कार वितरण

संपर्क : रमणी अग्रवाल-9212216251, शलभ गोयल-9810066506

14 जून 2014 को भगवान श्री कल्कि अलिपुर (कोलकाता) में विराजे

सुश्री रश्मि गनेरीवाल की कलम से : भगवान श्री कल्कि ने कहा कि इस मूर्ति स्थापना में जो कल्कि भक्त हैं उनसे काम लो तो मैंने वैसा ही किया। भंडारे के लिए भी भक्तों से कहा कि अपने साथ भगवान का प्रसाद बना कर ले आओ जैसे इंदु मासी तथा उनके परिवार जन गंगा जी पर घर से बनाकर लाते हैं। वैसे ही मूर्ति स्थापना में हम कोलकाता वालों ने किया वास्तव में बहुत मजा आया। जिसकी सब भक्तों से भूरी-भूरी प्रशंसा की और कहा कि हलवाई के खाने से तो यह भोजन बेहतरीन और स्वादिष्ट है।

29 जून 2014 को भगवान श्री कल्कि ऋषिकेश, गीताश्रम में विराजे

29 जून 2014 ऋषिकेश, गीता आश्रम (चोटी वाले के सामने) जहाँ 4 मंडलेश्वर 24 संत भगवान श्री कल्कि, हनुमान जी, दुर्गा जी के अंगों में छड़ी एवं अंगूठे से प्राण प्रतिष्ठा की।

यह प्राण प्रतिष्ठा पूर्णतः श्री अनिल गड़ोदिया, श्री अक्षय गड़ोदिया (मिन्कू), श्री मनोज पाण्डेय, श्री अनुज रस्तोगी के द्वारा की गई।

29 जून 2014 को भगवान श्री कल्कि राधा कृष्ण मंदिर, मानसरोवर गार्डन, 329, जी.टी.रोड शाहदरा, दिल्ली में विराजे

31 जुलाई एवं 1 अगस्त 2014 संभल में श्री कल्कि शोभा यात्रा महोत्सव एवं श्री कल्कि जयंती महोत्सव

श्री कल्कि जयंती महोत्सव

दिनांक : 3 अगस्त 2014
स्थान : बड़ी धर्मशाला, कूचा पाती राम दिल्ली-6
कल्कि महाविष्णु यज्ञ : प्रातः 11 से 12 बजे
भंडारा : 12 से 2 बजे, संकीर्तन : 2 से 3 बजे
श्रीकृष्ण-कल्कि लीला की सुंदर झांकी : 5 से 6 बजे

ली पैसेफिक बैंक्वट 13 जुलाई 2014 की शाम श्री कल्कि के नाम

समय : शाम 4 बजे से रात्रि 9 बजे
31/35 मेन रोहतक रोड, पंजाबी बाग वैस्ट
मैट्रो पिलर नं. 142 के सामने, दिल्ली
आप सभी सादर आमंत्रित हैं
संपर्क : श्री राकेश गुप्ता-9911242748, श्री दीपक गुप्ता-9810880470
श्री अनिल गुप्ता-9910163069

मामाजी की तरह मनोज पाण्डेय को गंगा महारानी ने अपना आभास कराया

30 मई 2014 को ऋषिकेश में जब गंगा तट पर भजन संध्या का कार्यक्रम चल रहा था वहाँ भक्त जनों की ऐसी करुण पुकार थी कि माँ गंगा भी द्रवित हो गई और उन्होंने मनोज पाण्डेय को अपने वहाँ होने का जैसे ही मामाजी की तरह अहसास कराया, वह एक दम पलट कर देखने लगे कि किसने मुझे छूआ। प्यारे बच्चों, यहाँ एक बात और भी कहना चाहेंगे कि यदि आपको यकायक कोई खुशबू आएगी तो आपको यकीन आएगा कि देवी देवता आपके पास आए हैं, आपसे प्रसन्न हैं।

भगवान श्री कल्कि की मूर्ति स्थापना

दिनांक : 7 जुलाई 2014
स्थान : श्री दुर्गा मंदिर, डी.यू. ब्लॉक पीतमपुरा, दिल्ली-34
समय : प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक
संपर्क : श्री गगन गुप्ता, सुश्री शिल्पी गुप्ता-9810871868

यमुना तट पर सुप्त तीर्थ जागरण हेतु चलता फिरता श्री कल्कि जयंती महोत्सव

6 जुलाई रविवार 2014 को

असंभव को संभव करने वाला संभल में होने वाला श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ 6 जुलाई 2014 को इन्द्रप्रस्थ यमुना तट पर दो कुण्डीय यज्ञ संकीर्तन, सत्संग प्रात: 5 बजे से 8 बजे तक लघु भंडारे के रूप में है।

स्थान: सागर में नैया डगमग डोले को सहारा देने वाली यमराज की बहन यमुना महारानी के घाट न० 23 पर

आपके द्वारा किया जाने वाला दो कुण्डीय श्री कल्कि सहस्त्रनाम-बगलामुखी यज्ञ-संकीर्तन-भण्डारे का स्वयं संपूर्ण से भी ज्यादा फल चाहते हैं तो अपने हिस्से से भी ज्यादा सहयोग (सामान अथवा नगद रूपया) यमुना तीर्थ के लिये ऊपर लिखे तीन प्रभारियों में से किसी को भी एवं सम्भल गंगा तीर्थ के लिये सुश्री इंदु बंसल, श्री सुनील गुप्त (सुश्री सुषमा गुप्त के भाई) अथवा मामाजी को दे सकते हैं। संभल तीर्थ की तरह यमुना तीर्थ महोत्सव में आने जाने पर समय की कोई पाबंदी नहीं है। पहली आरती हवन के बाद एवं दूसरी आरती कीर्तन के बाद होगी।

विशिष्ट जानकारी अथवा संतुष्ट न होने पर मामाजी 011-23973383

यमुना तट पर श्री कल्कि सहस्त्रनाम - सत्संग - संकीर्तन प्रभारी

श्री राकेश-सुरभि अग्रवाल-श्री अशोक-संजू गड़ोदिया- कु० अक्षय गड़ोदिया

9810654193 9312539397 9910006788

NBT नवभारत टाइम्स

यमुना बनेगी साबरमती

8 जून को यमुना जी के घाट पर सहस्त्रनाम करने के दो ही दिनों में नवभारत टाइम्स में छपी खबर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंदा नाला बन चुकी यमुना नदी को गुजरात की साबरमती बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए सोमवार को शाम को केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने दिल्ली सरकार ,दिल्ली जल बोर्ड, टूरिज्म और एन्वायरमेंट डिपार्टमेंट के साथ मीटिंग की। गंगा की तरह यमुना की सफाई के लिए भी केन्द्र सरकार ने 25 करोड़ का बजट पास किया है।

संभल में श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ एवं संकीर्तन

27 जुलाई 2014 को माँ चामुंडा मंदिर हल्लू सराय में

संभल सहस्त्रनाम हवन में जाने हेतु ए.सी. बस की बुकिंग के लिए संपर्क करें सुश्री मुक्ता शर्मा—9811134378

श्री कल्कि जयन्ती महोत्सव श्री गौरी शंकर मन्दिर में मंगलवार, 31 जुलाई, 2014

सुबह 5 बजे श्री कल्कि सहस्त्रनामावली द्वारा भगवान श्री कल्कि

के सहस्त्रार्चन में जो भी कल्कि भक्त चाहें कोई सी 1008 वस्तुएँ (किशमिश, बादाम की गिरी, मखानें, बेसन के लड्डू, फूल) आदि लाकर या बिना लाये भाग ले सकते हैं। भगवान श्री कल्कि की पोशाक, फूलों के शृंगार, सहस्त्रार्चन, प्रसाद आदि में सहयोग के लिए सम्पर्क—सुश्री पूजा गुप्ता (9811858723)

श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव

मंगलवार, दिनांक 12 जुलाई, 2014

***स्थान :* श्री कल्कि विष्णु मंदिर**
कूंडेवालान चौक, अजमेरी गेट
सीताराम बाजार, दिल्ली-6
समय : शाम 6 बजे से रात्रि 10 बजे

श्री कल्कि वार्षिकोत्सव

योगमाया मंदिर, महरौली
शुक्रवार 4 जुलाई 2014

कल्कि साहित्य समाप्ति के कगार पर
बन पड़े तो अपने शुभ के रुपयों में से सहयोग
साहित्य प्रभारियों के पास भेजें

मेघना गोयल-916377829 पूजा गुप्त-9811858723
सुषमा गोयल-9899698240 रेनू बंसल-9818000004
रश्मि गुप्त-9711108050 मामाजी-9136377829

सत्संगमयी अनुभव गोष्ठी

दिनांक : शनिवार 5 जुलाई 2014 एवं 2 अगस्त 2014
स्थान : एम.के. हाउस, सी-2/8 अशोक विहार फेज-2 दीप सिनेमा के सामने, नई दिल्ली
समय : दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक
संपर्क : श्री राकेश गोयल, सुश्री सुषमा गोयल (9899698240)
संचालिका- सुश्री इंदू बंसल (011-32448401)

दिनांक : शनिवार 12 जुलाई 2014 एवं 9 अगस्त 2014
स्थान : जी-3 थर्ड फ्लोर,मित्रद्वीप अपार्टमेंट पटपड़गंज दिल्ली-92
समय : दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक
संपर्क : श्री सुनील गर्ग, सुश्री संगीता गर्ग (9873349478)
संचालिका- सुश्री मेघना गोयल (913677829)

Registered with the Registrar of Newspaper for India under Licence No. Delhi-N/2005/15596 Postal D. No. DL (DG)-11/8061/2012-2014

1 से 8 तक | 25 ग्राम | जुलाई 2014 | मूल्य 10 रु

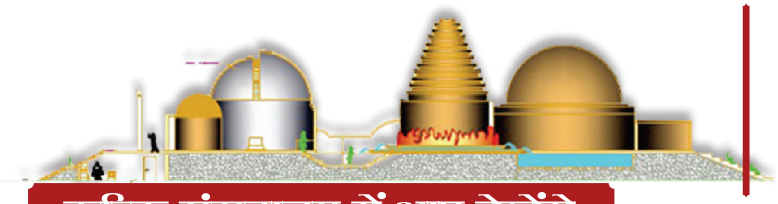

अंधा है वह दिवस जहाँ आदित्य नहीं है
अंधा है वह धर्म जिसमें साहित्य नहीं है

कल्कि संग्रहालय में आप देखेंगे

*भारत भूमि पर हमारा जन्म हमारे सौभाग्य की गाथा गाता है * भारत भूमि श्री हरि नारायण की भूमि है * भगवान विष्णु के दशावतार * अभी कल्कि क्यों? * कलियुग के लक्षण * कल्कि जी ने अवतार क्यों लिया? * हनुमान जी/रामकृष्ण परमहंस हमारे गुरु क्यों? * प्राचीन भारत एवं आधुनिक भारत में अंतर * कल्कि जी की पुकार क्यों करें? * कल्कि जी की स्वप्नानुभव लीला * कल्कि की पुकार ही सार है * कल्कि जी की भक्ति कैसे करें? * कल्कि जी का प्रचार कैसे करें? * धर्म/भक्ति/ज्ञान और कल्कि * श्री कल्कि साहित्य*

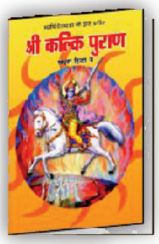

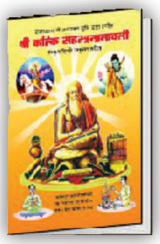

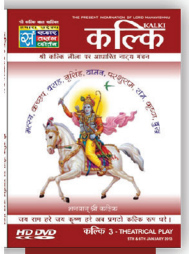

श्री कल्कि जी का शुभ का खजाना

अपनी आमदनी में से कम से कम एक प्रतिशत अधिक से अधिक दस प्रतिशत रुपया भगवान श्री कल्कि के शुभ के खजाने में डालें।

इस खजाने को कहाँ लगाएं?—श्री कल्कि बाल वाटिका की संस्कार रोपण कार्यशालाओं, श्री कल्कि जी के हवनों, सत्संग, कल्कि जी के उपचारों में, कल्कि जी के महोत्सवों-कीर्तन, अनुभव गोष्ठी, मूर्ति स्थापना, शोभा यात्रा, कल्कि जी के उत्सवों में आने जाने मे, कल्कि जी के आगामी बनने वाले संग्रहालयों में एवं कल्कि जी के अन्य प्रचार के कार्यों में लगाएं। साहित्य में कम से कम 25 से 30 प्रतिशत अवश्य लगाएं, इससे आपके घर एवं व्यापार के प्रगति के मार्ग योजनाबद्ध तरीके से खुलते चले जाएंगे।

श्री कल्कि बाल वाटिका संस्कार रोपण कार्यशालाएं

*** दिल्ली विश्वविद्यालय* नोएडा * पंजाबी बाग * पटपड़गंज * गगन विहार * यमुना विहार * महावीर नगर * ग्रीन पार्क**

विंध्याचल में कल्कि मूर्ति स्थापना के बाद श्री कल्कि जी के श्री कल्कि धाम की ओर बढ़ते कदम जहाँ साधु संत आवागमन हवन, भजन, कीर्तन आगंतुको के ठहरने के लिए बहुत उचित मूल्य पर सात्विक भोजन की व्यवस्था, कल्कि जी के प्रचार-प्रसार का कार्य निरंतर चलेगा।

श्री कल्कि बाल वाटिका

के सदस्य बनने हेतु सम्पर्क करें—

☎ 9312533445, 9136377829, 9811858723

न करने का न करवाने का झंझट बस फोन करते रहें जब तक काम पूरा न हो मंदिरों में भगवान श्री कल्कि जी की मूर्ति, पोशाक, लाईट प्रभारी : हर्षित गुप्ता, (मनु) 9999885277) अंकित गड़ौदिया (9968154304) राहुल अग्रवाल (9891879718) अलका गोयल (9811281271)

❖पालनपुर ❖देहरादून ❖असरोही ❖कोलकाता ❖चेन्नई
1903/3, पहली मंजिल, चाँदनी चौक, दिल्ली-110006 सम्पर्क : 23886646, 23866661
हाउस नं. 4116, कसेरू वालान, पहाड़गंज, नई दिल्ली-55, सम्पर्क : 23587079
सी 0-2/16, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-110035
कॉलेज कम्पाउन्ड, गीता सोसाईटी, पालनपुर : 385001, गुजरात, सम्पर्क : 02742-258068, 09824968440
जी 97, नेहरु कालोनी, देहरादून (उत्तरांचल), सम्पर्क : 0135-2671643, 09837343560
2 नम्बर, हाईट रोड, लिलुआ, हावड़ा-711204 (कोलकाता)
आभार/Ack.: श्री कल्कि पुराण, ऋग वेद, ऋषि प्रसाद, स्वामी राम सुखदास, नवभारत टाइम्स
योगेश प्रकाश गुप्ता, दिल्ली द्वारा प्रकाशित व अन्य बालकों के ज्ञानवर्धन हेतु
प्रिंटर्स : शिवानी ऑफसैट, ए-36 नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (यू.पी.)
पारस प्रिंटिंग प्रैस, पटपड़गंज, नई दिल्ली